

# बोधराज सीकरी : कांग्रेस को चिंतन और मंथन करना चाहिए



## सेक्युलर बनाम कम्युनल की परिभाषा



राहुल गांधी का यह कहना कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है, एक हास्यास्पद बयान है क्योंकि अगर वह संस्था सेक्युलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्युनल नहीं है। जो संस्था जिन्होंने समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस बैठवारे के कारण हजारों व्यक्ति विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनग्रह हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लौटी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग मरे गए, हजारों लोग बेघर हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्युनल की संस्था है।

हिंदुस्तान के टुकड़े होने का थीर पाकिस्तान का गठन होने का यह कोई उत्तरदायी है तो वह संस्था ही है। दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभायिका समृद्धि दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के ज़ख्मों पर मरहम लासके परंतु राहुल गांधी के इस गैर जिम्मेदारी व्यापार ने हमारे ज़ख्मों को फिर से हरा कर दिया है। आफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुराजोर विरोध करती है। फिर तो सभी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर थोपित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के नारे लगाए जाते हैं, जिनके जुलूस में पाकिस्तान के झंडे को खुले आम लहराया जाता है, ऐसी ऑर्गेनाइजेशन को सेक्युलर ठहराया जा रहा है। यह अलगाववादियों का खेल नहीं तो क्या है। अचम्भा इस बात का है कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं तो अचानक देश की मर्यादा को भूल जाते हैं। यह एक विडंबना है। सभी को मालूम ही होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केरल में गढ़बंधन है जिसके कारण राहुल केरल से जीते थे और लगता है वो इस प्रकार की व्यानवाजी करके अपना कर्ज़ी उतार रहे हैं। यू.पी.ए. की सरकार के दौरान एक विल लाने का प्रयास किया गया था जिसके अनुसार अगर दोगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा



और मुस्लिम विक्टिम माना जाएगा। अगर वह विल लागू हो जाता तो दोगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो विल नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकत है।

सर्वाधिक लोगों को मालूम है कि इस माह भारत के प्रधान मंत्री स्टेट विजिट पर यू.एस.ए. जा रहे हैं। वहाँ की सरकार औंखें विछाकर प्रतीक्षा कर रही है जो राहुल गांधी पचा नहीं पा रहे हैं। इस बार तो पी.एम. संयुक्त हाउस को भी सम्बोधित करेंगे। एक देश का प्रधान मंत्री मोदी जी के पांच दूसरे देश का प्रधान मंत्री उन्हें वास कहकर पूछता है और यू.एस. प्रेसिडेंट उनका अटोप्राफ माँगता है। इन हालात में राहुल गांधी मोदी जी के पहुंचने से पहले उनकी निंदा करना, सरकारी संस्थाओं के खिलाफ बोलना, ताकि पूरे विश्व पर उसका असर पड़े परंतु दर्भार्ग्य है राहुल गांधी जो कि पूरा विश्व नमन करता है हमारे मोदी जी का। राहुल गांधी ने यू.एस. में प्रत्यक्ष रूप में और लंदन में पराक्रम रूप में अपने नकारात्मक एंजेंडा चलाया परंतु सफल नहीं हुए न होंगे। विडम्बन इस बात की है कि उनके अपनी विचारधारा वाले श्रीमान पिंत्रोदा जी कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह सम्मान के हकदार हैं। यह दो बातें एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या? कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

विडम्बना इस बात की भी है कि राहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको वो अपनी उपलब्धि मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के सिवा कुछ नहीं है। व्यक्ति की दुकान में जो होता है वो व्यक्ति वहाँ समान बैचता है।



ਪੁਲਸ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨ ਸਾਡਾ ਅਪਰਾਧ  
ਪਰ ਬਦਲਤ ਰਹੀ।

ਪਾਂਚਕਾਨਾ ਨ ਪਾਖਲ ਦੇ ਵਾਲੇ

## ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਕੋ ਮੰਥਨ ਔਰ ਚਿੰਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹਿਏ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਸਰੋਪਰਿ ਹੈ ਯਾ ਏਕ ਵਾਕਿਤ ਵਿਥੇ ਕਾ ਨਿਜੀ ਸ਼ਵਾਰ्थ : ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ

ਗੁਡਗਾਂਵ, 5 ਜੂਨ (ਫ੍ਰੋਨਟ): ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਨੇ ਮੰਥਨ ਔਰ ਚਿੰਤਨ ਕਰਨਾ ਚਾਹਿਏ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਸਰੋਪਰਿ ਹੈ ਯਾ ਏਕ ਵਾਕਿਤ ਵਿਥੇ ਕਾ ਨਿਜੀ ਸ਼ਵਾਰਥ।

ਤਕਤ ਬਾਤੋਂ ਭਾਜਪਾ ਕੇ ਵਰਿ਷ਠ ਨੇਤਾ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਕਹੀਂ। ਤਨਾਂਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਕਾ ਯਹ ਕਹਨਾ ਕਿ ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਮੁਸਲਿਮ ਲੀਗ ਸੇਕਿਊਰਿਟੀ, ਏਕ ਹਾਸ਼ਾਸ਼ਪਦ ਬਿਆਨ ਹੈ ਕਿਸੋਕਿ ਪ੍ਰਗਰ ਯਹ ਸੰਸਥਾ ਸੇਕਿਊਰਿਟੀ ਹੈ ਤੋ ਵਿਸ਼ਵ ਮੈਂ ਕੋਈ ਭੀ ਸੰਸਥਾ ਕਮਿਊਨਲ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਜੋ ਸੰਸਥਾ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਕੀ ਸਮਰਥਕ ਹੈ, ਜਿਸ ਸੰਸਥਾ ਕੇ ਕਾਰਣ ਧਰਮ ਕੇ ਆਧਾਰ ਪਰ ਦੇਸ਼ ਕਾ ਵਿਭਾਜਨ ਕਰਵਾਯਾ ਗਿਆ, ਜਿਸ ਮੱਟਿਵਾਰੇ ਕੇ ਕਾਰਣ ਹਜ਼ਾਰੋਂ ਬਹੇਂ ਵਿਧਵਾਈ, ਹਜ਼ਾਰੋਂ ਬਚੇ ਅਨਾਥ ਹੁਏ, ਹਜ਼ਾਰੋਂ ਗ਼ਹਿਲਾਓਂ ਕੀ ਝੜ੍ਹਤ ਲੂਟੀ ਗਈ,

ਹਜ਼ਾਰੋਂ ਹਮਾਰੇ ਬੁਜੁਰਗ ਮਾਰੇ ਗਏ, ਹਜ਼ਾਰੋਂ ਲੋਗ ਬੇਘਰ ਹੁਏ, ਅਗਰ ਵਹ ਸੰਸਥਾ ਸੇਕਿਊਰਿਟੀ ਹੈ ਤੋ ਕਮਿਊਨਲ ਕੌਨ ਸੀ ਸੰਸਥਾ ਹੈ। ਹਿੰਦੁਸਤਾਨ ਕੇ ਟੁਕੜੇ ਹੋਨੇ ਕਾ ਔਰ ਪਾਕਿਸ਼ਾਨ ਕਾ ਗਠਨ ਹੋਨੇ ਕਾ ਯਦਿ ਕੋਈ ਤੱਤਰਦਾਵੀ ਹੈ ਤੋ ਯਹ ਸੰਸਥਾ ਹੀ ਹੈ। ਦੋ

ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ



ਵਰ਷ ਪੂਰ੍ਵ ਹਮਾਰੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤ੍ਰੀ ਨੇ ਵਿਭਾਜਨ ਵਿਭੀਂਖਿਕਾ ਸਮੂਤਿ ਦਿਵਸ ਆਯੋਜਨ ਕਰਨੇ ਕਾ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ ਤਕਿ ਹਮਾਰੇ ਬੁਜੁਰਗਾਂ ਕੇ ਜਖਮੀਂ ਪਰ ਮਰਹਮ ਲਗ ਸਕੇ ਪਰਤੂ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਕੇ ਇਸ ਗੈਰ ਜਿਸੰਦਾਰਾਨਾ ਬਿਆਨ ਨੇ ਹਮਾਰੇ ਜਖਮੀਂ ਕੋ ਫਿਰ ਸੇਹਰਾ ਕਰ ਦਿਯਾ ਹੈ। ਅਫਸੋਸ ਇਸ ਬਾਤ ਕਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਸੰਸਥਾ ਨੇ ਕਾਂਗ੍ਰੇਸ ਕੇ ਸਾਥ ਸੌਦੇਬਾਜ਼ੀ ਕਰ ਲਾਖਾਂ

ਲੋਗਾਂ ਕੋ ਦਰ-ਦਰ ਕੀ ਠੋਕਰੋਂ ਖਾਨੇ ਪਰ ਮਜ਼ਬੂਰ ਕਿਯਾ। ਯਹ ਕਿਸੀ ਪਾਰੀ ਹੈ ਜੋ ਤੀਨ ਤਲਾਕ ਕੇ ਫੈਸਲੇ ਕਾ ਪੁਰਜ਼ੋਰ ਵਿਰੋਧ ਕਰਤੀ ਹੈ। ਫਿਰ ਤੋਂ ਸਿਮੀ ਜੈਸੀ ਸੰਸਥਾ ਕੋ ਭੀ ਰਾਹੁਲ ਗਾਂਧੀ ਕੋ ਸੇਕਿਊਰਿਟੀ ਘੋ਷ਿਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹਿਏ। ਜਿਸ ਪਾਰੀ ਕੇ ਜੁਲੂਸ ਮੇਂ

ਪਾਕਿਸ਼ਾਨ ਕੇ ਨਾਰੇ ਲਗਾਏ ਜਾਤੇ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਜੁਲੂਸ ਮੇਂ ਪਾਕਿਸ਼ਾਨ ਕੇ ਝੰਡੇ ਕੋ ਖੁਲੇਆਮ ਲਹਹਾਇਆ ਜਾਤਾ ਹੈ, ਐਸੀ ਅੰਗਰੋਜ਼ੀ ਕੋ ਸੇਕਿਊਰਿਟੀ ਰਹਹਾਇਆ ਜਾ ਰਹਾ ਹੈ। ਯਹ ਅਲਗਾਵਾਦਿਵਾਂ ਕਾ ਖੇਲ ਨਹੀਂ ਤੋਂ ਕਿਵੇਂ ਹੈ। ਅਚਮਾ ਇਸ ਬਾਤ ਕਾ ਹੈ ਕਿ ਜਬ ਭੀ ਰਾਹੁਲ ਵਿਦੇਸ਼ ਜਾਤੇ ਹਨ ਤੋਂ ਅਚਾਨਕ ਦੇਸ਼ ਕੀ ਮਰਦਾ ਕੋ ਭੂਲ ਜਾਤੇ ਹਨ।

# राष्ट्रीय संघरा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

## राहुल गांधी का व्यान हास्यास्पद : सीकरी

गुरुचाम (एसएनबी)। हरियाणा सोएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं पंजाबी विद्यार्थी महासंघटन के प्रधान बोधराज सीकरी ने राहुल गांधी के उस कथन को हास्यास्पद बताया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है।

बोधराज सीकरी ने उनके कथन की निंदा करते हुए कहा कि जो संस्था जिना की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया। जिस बंटवारे के कारण हजारों बहने विधवा हुईं। बुजुर्ग मरे गए। लोग बैघर हुए। अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के दुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। सीकरी ने कहा कि दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभाविका स्मृति दिवस आयोजन करने का निर्णय लिया, ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लग सके। राहुल गांधी के इस गैर जिम्मेदाराना बयान से हमारे जख्मों को फिर से ह्रा कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह वह पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरजोर विरोध करती है। फिर तो सिमी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर घोषित करना चाहिए। सीकरी ने कहा कि यूपीए को सरकार के दौरान एक बिल लाने का प्रयास किया गया था, जिसके अनुसार अमर दंगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुस्लिम विकिटम माना जाएगा। अगर यह बिल लागू हो जाता तो दंगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। कांग्रेस की असली मानसिकता है।



# सेक्युलर बनाम कम्यूनल की परिभाषा : बोध राज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। राहुल गांधी का यह कहना कि इंडियन यूनियन मुसलिम लीग सेक्युलर है, एक हास्यास्पद बयान है क्योंकि अगर यह संस्था सेक्युलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिना की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस बँटवारे के कारण हज़ारों बहने विधवा हुई, हज़ारों बच्चे अनाथ हुए, हज़ारों महिलाओं की इज़ज़त लूटी गई, हज़ारों हमारे बुजुर्ग मरे गए, हज़ारों लोग बेघर हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के ज़ख्मों पर मरहम लग सके परंतु राहुल गांधी के इस गैर जिम्मेदाराना बयान ने हमारे ज़ख्मों को फिर से हराकर दिया है। अफ़सोस इस बात का है कि इस

● कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ : बोधराज सीकरी

संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक़ के फैसले का पुरज़ोर विरोध करती है। फिर तो सिमी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर घोषित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के नारे लगाए जाते हैं, जिनके जुलूस में पाकिस्तान के झंडे को खुलेआम लहराया जाता है, ऐसी ऑर्गनाइजेशन को सेक्युलर ठहराया जा रहा है। यह अलगाववादियों का खेल नहीं तो क्या है।

अचम्भा इस बात का है कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं तो अचानक देश की मर्यादा को भूल जाते हैं। यह एक विडंबना है। सभी को मालूम ही



होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केरल में गठबंधन है जिसके कारण राहुल केरल से जीते थे और लगता है वो इस प्रकार की बयानबाज़ी करके अपना क़र्ज़ी उतार रहे हैं। यू.पी.ए. की सरकार के दौरान एक बिल लाने का प्रयास किया गया था जिसके अनुसार अगर दंगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुसलिम विकटम माना जाएगा। अगर यह बिल लागू हो जाता तो दंगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकता है।

सर्वाधिक लोगों को मालूम है कि इस माह भारत के प्रधान मंत्री स्टेट विज़टि पर यू.एस.ए. जा रहे हैं। वहाँ की सरकार आँखे बिछा कर प्रतीक्षा कर रही है जो राहुल गांधी पचा नहीं पा रहे हैं। इस बार तो पी.एम. संयुक्त हाउस को भी सम्बोधित करेंगे। एक देश का प्रधान मंत्री मोदी जी के पाँव छूता है, दूसरे देश का प्रधान मंत्री उन्हें बॉस कहकर पुकारता है और यू.एस. प्रेसिडेंट उनका ऑटोग्राफ़ मांगता है। इन हालात में राहुल गांधी मोदी जी के पहुँचने से पहले उनकी निंदा करना, सरकारी संस्थाओं के ख़लिफ़ बोलना, ताकि पूरे विश्व पर उसका असर पड़े परंतु दुर्भाग्य है राहुल गांधी का कि पूरा विश्व नमन करता है हमारे मोदी जी को। राहुल गांधी ने यू.एस. में प्रत्यक्ष रूप में और लंदन में परोक्ष रूप में अपना नकारात्मक एंजेंडा चलाया परंतु सफल नहीं हुए ना होंगे। विडंबना इस बात की है कि उनके अपनी विचारधारा वाले श्रीमान पित्रोदा जी कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह सम्मान के हकदार हैं। यह दो बातें एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या?

कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ। विडंबना इस बात की भी है कि राहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको वो अपनी उपलब्धि मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के सिवा कुछ नहीं है व्यक्ति की दुकान में जो होता है वो व्यक्ति वही सामान बेचता है। राहुल के पास मोदी विरोधी, भाजपा विरोधी, आर.एस.एस. विरोधी, हिंदुत्व विरोधी विचारधारा के सिवा कुछ नहीं है। इसलिय उनकी इस प्रकार की प्रवृत्ति बन गई है। जनता को मंथन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

लेखक ने यह लेख विभाजन के दर्द से प्रेरित होकर निजी कैपैसिटी में लिखा है क्योंकि हमारे बुजुर्गों ने विभाजन विभीषिका को सहा है। उन बुजुर्गों की आत्मा कभी भी अलगाववादियों की शक्तियों को माफ़ नहीं करेगी क्योंकि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि हैं।

# हरियाणा की आवाज़

भित्तिनी, चंडीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 14 अंक : 348

मिवानी मंगलवार 06 जून 2023

मूल्य : 3.00 रुपये फ़ॉन्स : 8

7:36 AM ✓

## कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए: बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। हरियाणा सौएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं पंजाबी बिरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने राहुल गांधी के उस कथन को हास्यास्पद बताया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है। बोधराज सीकरी ने उनके कथन की निंदा करते हुए कहा कि जो संस्था जिन्होंने की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया। जिस बंटवारे के कारण हजारों बहनें विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लूटी गई। बुजुर्ग मारे गए। लोग बेघर हुए। अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। सीकरी ने कहा कि दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने



विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजन करने का निर्णय लिया, ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लग सके। राहुल गांधी के इस गैर जिम्मेदाराना बयान से हमारे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। असफलता इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के

साथ सौदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरजोर विरोध करती है। फिर तो सिमी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर घोषित करना चाहिए। बोधराज सीकरी ने कहा कि यूपीए की सरकार के दौरान एक बिल लाने का प्रयास किया गया था, जिसके अनुसार अगर दंगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुस्लिम विकिटम माना जाएगा। अगर यह बिल लागू हो जाता तो दंगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकता है।

# आपन सर्वे

## सेक्युलर बनाम कम्यूनल की परिभाषा: बोध राज सीकरी

आपन सर्वे/ विशेष संचाचादाता  
सत्त्वीभारती भारद्वाज

गुहाराम। गहुल गांधी का यह कहना कि ईंडवन युनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है, एक यास्यास्पद व्यापान है व्यक्तिक आगर यह संस्था सेक्युलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिन्होंने की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस वैद्यरोग के कारण हजारों व्यापारी विश्व हुए, हजारों महिलाओं को इह लड़ी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग मारे गए, हजारों सोग बेघर हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कीन सी संस्था है।

हिंदुतात के उकड़े होने का और याकिस्तान का गठन होने का था दो कोई उत्तरदायी हैं तो यह संस्था ही है। जो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभाजक समिति दिया आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के जालमें पर महय लग सके परंतु गहुल गांधी के इस गीर विमेदारना व्यापान ने हमारे जालमों को फिर से हरा कर

दिया है। अफसोस इस व्यापान का

है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाजी कर लालों सोगों को दर्द दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो बीन तत्त्वांक के फिल्से का पूजार विशेष करती है। फिर तो सिर्फ़ जैसे संस्था को भी गहुल गांधी को सेक्युलर धोषित करना चाहिए। यह विश्व के हुए दूर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के नारे सगाए जाते हैं, जिनके जुलूस में पाकिस्तान के झड़े को खुले अमल सहयोग जाता है, ऐसी आर्थिक विभाजन को खेल नहीं लोक्या है। अब यह विश्व का हजारों व्यापारी व्यापारी अनाथ हुए, हजारों महिलाओं को इह लड़ी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग मारे गए, हजारों सोग बेघर हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कीन सी संस्था है।

■ कांग्रेस को  
मंथन और  
चिंतन करना  
चाहिए कि देश  
सर्वोपरि है या  
एक व्यवित  
विशेष का निजी  
स्वार्थ: बोधराज  
सीकरी



यह विश्व लागू हो जाता तो दोनों हाथों के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता।

शुक्र है कि वो विश्व नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकता है।

सर्वाधिक लोगों को मालूम है कि इस माह भारत के प्रधान मंत्री स्टेट विभिन्न पर यू.एस.ए., जा. गई हैं। जहाँ की मानकर और विवाह कर प्रतीक्षा कर रही है जो गहुल गांधी पर्याप्त नहीं पा रहे हैं। इस बार तो पी.एम. मंथुक्षा हाइस को भी सम्बोधित करेंगे। एक देश का प्रधान मंत्री मोदी जी के पाँव छूता है, दूसरे देश का प्रधान मंत्री उन्हें चाँस कहकर पुकारता है और

कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह सम्मान के हकदार हैं। यह दो बातें एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या?

कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यवित विशेष का निजी स्वार्थ। विडम्बना इस बात की भी है कि गहुल गांधी ने 2014 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको वो अपनी उपलब्धि मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के मिला कुछ नहीं है व्यवित की दुकान में जो होता है वो व्यक्ति वही यात्रावेचता है। गहुल के पास मोदी विरोधी, भाजपा विरोधी, आर.एस.विरोधी, हिंदुत्व विरोधी विचार धारा के सिवा कुछ नहीं है। इसलिये उनकी इस प्रकार की प्रवृत्ति बन गई है।

जनता को मंथन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या व्यवित विशेष का निजी स्वार्थ। सेक्षक ने वह सेक्षक विभाजन के दर्द से प्रीति होकर निजी कांग्रेसी में लिया है जिसके हमारे बुजुर्गों ने विभाजन विभाजिकों सहा है। उन बुजुर्गों की आत्म कपी भी अलगाववादियों की शवित्रों को माफ़ नहीं करती क्योंकि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# हृष्मन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

## सेवयुलर बनाम कम्यूनल की परिभाषा : बोध राज सीकरी

हृष्मन इंडिया/अद्यता  
गुरुग्राम। यहात गांधी का यह कहना कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लोग सेवयुलर हैं, एक हास्यासद बयान है क्योंकि अगर वह संस्था सेवयुलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिन्होंने की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन किया गया, जिस बैठकों के कारण हजारों बहने विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की डिव्हजत लौटी गई, हजारों हमारे दुश्मां मारे गए, हजारों लोग बेघ गए, अगर वह संस्था सेवयुलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। हिंदुस्तान के दुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यह काइ उत्तरदायी है तो वह संस्था ही है। यो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभीषिका समूह दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे दुश्मां के जख्मों पर मरहम लग सके परंतु राहुल गांधी के इस और जिम्मेदारी बयान ने हमारे जख्मों को किसी से हराकर दिया है। अब अफसोस इस बात का है कि इस

● कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक द्यावित विशेष का निजी स्वार्थ : बोधराज सीकरी



होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केरल में गठबंधन है जिसके कारण राहुल केरल से जीते थे और लगता है कि वो इस प्रकार की बयानबाजी करके अपना कृज्ञा उत्तर रहे। यू.पी.ए. की सरकार के दोसरा एक वित्त लाने का प्रयास किया गया था जिसके अनुसार अपने दो दोषी तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुस्लिम विकेट माना जाएगा। आर वह वित्त लाने हो जाता तो दोषे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। वही कांग्रेस की असली मानसिकता है।

अबसभा इस बात का है कि जब

भी राहुल विदेश जाते हैं तो अचानक

देश की मर्यादा को भूल जाते हैं। वह

एक बिडंबना है। सभी को मालूम ही

सर्वाधिक लोगों को मालूम है कि

इस माह भारत के प्रधान मंत्री स्टेट

विजिट पर यू.एस.ए. जा रहे हैं। वहाँ

की सरकार और विदेश कर प्रतीक्षा

कर रही है जो राहुल गांधी पचा नहीं

जा रहे हैं। इस बार तो पी.एम. संयुक्त

हाउस को भी सम्बोधित करेंगे। एक

देश के प्रधान मंत्री भोटी जी के खैब

जूता है, दूसरे देश का प्रधान मंत्री

उहाँ बास कहकर पुकारता है और

यू.एस. प्रेसिडेंट उनका आटोग्राफ

मंगता है। इन हालत में राहुल गांधी

भोटी जी के पहुँचने से पहले उनकी

निवास करना, सरकारी संस्थाओं के

खलिक बोक्स, ताकि पूरे विश्व पर

उसका असर पड़े, परंतु दुर्भाग्य है

राहुल गांधी का कि पूरे विश्व नमन

करता है हमारे भोटी जी को। राहुल

गांधी ने यू.एस. में प्रत्यक्ष स्वर्ण में और

लंदन में प्रोक्ष रूप में अपना

नकारात्मक एजेंडा चलाया परंतु

सफल नहीं हुए जो होंगे। विडम्बना

इस बात को है कि उनके अपनी

विभारधारा वाले श्रीमान पिंडोदा जी

कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह

सम्मान के हक्कदार हैं। वह दो बातें

एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या?

कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

विडम्बना इस बात को भी है कि

राहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक

19 साल में कोई ऐसा काम नहीं

किया जिसको वो अपनी उपलब्धि

मानकर विदेश में प्रचार कर सके।

उनके पास नकारात्मकता के सिवा

कुछ नहीं है व्यक्ति वही समान बैठता

है। राहुल के पास मोटी विरोधी,

भाजपा विरोधी, और एस.एस.

विरोधी, हिंदूव विरोधी विचार धारा

के सिवा कुछ नहीं हैं। इसलिये

उनकी इस प्रकार की प्रवर्ती बन गई

है। जनता को मंथन करना चाहिए कि

देश सर्वोपरि है या व्यक्ति विशेष का

निजी स्वार्थ।

लेखक ने वह लेख विभाजन के दर्द से प्रेरित होकर निजी कर्पैसिटी में लिखा है क्योंकि हमारे दुश्मां ने विभाजन विभीषिका को सहा है। उन दुश्मां की आत्मा कभी भी अलगाववादियों की शक्तियों को मानक नहीं करेगी क्योंकि हमारे लिए शादू सर्वोपरि है।



# गुड्हाव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकता

हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

## **सेवयुलर बनाम कम्यूनल की परिभाषा : बोध राज सीकरी**

कांगोस को मर्यान और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यवित विशेष का निजी स्वार्थी

अमेरिका विद्यालय

पुराणा विशेष कर्त्ता है। इस तो  
कालीन जीवन में यह अपनी  
जीवन संख्या के बाहर आया।  
इस विशेष हार्दिक भूल के बावजूद  
कर्त्ता ने उसके बाहर आये जीवन  
के नए लाभ देते ही, एवं विशेष  
में प्रतिक्रियाओं के बाहर आये  
जाते हैं, ऐसी विशेषज्ञता  
में संसार विशेष हार्दिक भूल के  
बाहर आया है। इस अवश्यकता  
विशेषज्ञता को खोने नहीं चाहा  
है।

विशेष हार्दिक भूल के बाहर  
आये जीवन का दृष्टि विशेष  
दृष्टि का मानकी की भूल आते हैं। इस  
एक विशेषता है।

सभी जीवन की दृष्टि का इस



यु.ए.ए. को रास्ता के दीरे  
एक लंबी लाई जो अपने बेंजे के  
वाले विकल्पोंमें आगे लाए होते हैं  
यदि... और मान लें कि वह विकल्प  
विकल्प मात्र बाजार। आगे का  
प्रिय लाभु... और जास तो होते हैं के  
नामांग दिख जाएं कि उन बच्चों का  
सुन कर है कि वह विनी वाला।  
उन्होंने को मझे मालिक कहा।

यहाँ बच्चे लागू और गायत्री हैं कि  
इस वर्ष जापा के प्रभाव से इस विकल्प  
पर यु.ए.ए. का हो जाएगा। यह अप्रैल  
की संख्या और अप्रैल की अप्रैल  
की जापा की विकल्पोंमें आगे लाए  
जाएंगे कि जो गायत्री वर्षा का  
पार्श्व है और इस वर्षा की प्रै. अप्रैल  
हालांकि वह विकल्पोंमें आगे लाए

देख का प्रभाव गाये गंडों रो कि जैविक  
इकुल, दूसरे दृष्टि का प्रभाव गाये गंडों रो कि  
मन का कर्म बढ़ाया गया और पूरा-पूरा  
प्रशिक्षण लिया गया अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक  
उत्तराधारी वैज्ञानिक गंडों रो के  
पहुँच से जैविक उत्तराधारी का जैविक  
मनोवैज्ञानिक सम्बन्ध स्थापित  
गया और पूर्ण उत्तराधारी पर एवं एक  
सम्भावना दृष्टि का जैविक  
उत्तराधारी वैज्ञानिक गंडों रो का  
मन का प्रभाव बढ़ाया गया और पूरा-पूरा  
कार्य का जैविक उत्तराधारी गंडों रो का  
गाये गंडों रो का जैविक उत्तराधारी  
गंडों रो का जैविक उत्तराधारी गंडों रो का  
पूरा-पूरा जैविक उत्तराधारी गंडों रो का  
पूरा-पूरा जैविक उत्तराधारी गंडों रो का

श्रीमत अंगेश को जो ताक है कि उस ये पूछ रहा है कि आज समाज के लिए क्या करना चाहिए। यह क्या करना एक दूसरे के लिए बहुत ही ज़रूरी है।

कानून को बदलना और विभिन्न कानून विवादों के दौर समेत ही वह एक अवधारणा है कि कानून बदलना।

विवरणम् इस कानून की ही है कि गद्यल गोपनी ने 2003 में 2003 वर्ष 10 लाख में काउंट रिपोर्ट कार्रा नहीं किया जाना चाहिए। जो अभी विवरणम् गोपनी, विवरण या उत्तर करता है, उसके पास विवरणम् के लिए काउंट रिपोर्ट का उत्तर करना चाहिए। उत्तर के लिए काउंट रिपोर्ट को उत्तर करने में जो अवधारणा है, वही उत्तर करनी चाहिए। गोपनी को विवरणम् की ओर जाने विभिन्न

गोपनी विवरणम्, आए राए। विवरणम्, विवरणम् का विवरणम् का को जिक्र करना चाहिए। उत्तर करने का उत्तर करने का उत्तर करने की प्रक्रिया जब जाए है।

जबाबद को बदलना करना चाहिए तो विवरणम् की दृष्टि से बदलनी ही ना विवरणम् की दृष्टि से बदलनी ही।

संसद में नए नियमों के दौर से ऐसे विवरणम् को कौन कोई दृष्टि नहीं है कि कोक्का है, तुरुंग है। विवरणम् को जिक्र करना चाहिए है। उत्तर करना चाहिए। जो अब उत्तर करता है वह अवधारणाम् की विवरणम् को मात्र ही करते हैं जोकि फटाफट विवरणम् का उत्तर करता है।

एरा एरा  
बवार पारा  
इस्तियार  
ति बन गड़े  
  
ना चहिया  
नेव निषेध  
  
पालन ने  
जोशीदो ग  
बुद्धों न  
हा है। उन  
कर्म भे  
कर्त्तव्यों को  
उमरो लिया

# दैनिक राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

# ज्ञाला आज तक

'कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ'

उत्तराधिकारी है तो यह संसद्या की है।

यू.एस.जे. का सरकार के योगन  
लाने का प्रयास किया गया  
अनुसार अमर की होती है तिक

जाएगा और मुस्लिम विकेटन माला प्राप्त  
अस्ति यह विन लाजू ते जाता गो ऐसे ही  
के काला हिंदू जो जन जात पढ़ते। इ-  
हीले वे विन नहीं आया। उन्होंने कोई

प्रसारणी नामसंकाता है।

है जल्दी से जल्दी जा  
दूरा, तो प्रशंसन करा  
कर में अपना नवाचार  
पर्याप्त साक्षरता करना  
इस बात की  
विचारणा करते विद्युत  
हैं कि इसे को ऐसा  
जागरूक ही का दो  
प्रयोग करना हो जो  
कठिनी नहीं हो क्यों  
कठिनी हो आपने कर  
कि इसे लाने की  
न जिन्हे आपने

१०८ अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा ३० अक्टूबर  
विवरण दिवस के अवसर पर

## पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा ने हरियाणा

उपमख्यमत्री दध्यंत चौटाला ने जताया शोक



# रण टाइम्स

## सेक्युलर बनाम कम्यूनल की परिभाषा - बोध राज सीकरी

■ कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थः बोधराज सीकरी

गणू गुप्ता

गुप्ता, (रण टाइम्स)। गहुल गांधी का यह कहना कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है, एक हास्यासद बयान है क्योंकि आप यह संस्था सेक्युलर है तो विवर में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिन्हीं की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस बैठकों के कारण हजारों व्यक्ति विभवा हुई, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इच्छत लूटी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग मरे गए, हजारों लोग बेघर हुए, आप यह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है।

हिंदुसन के दुर्भाग्य होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है।

दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विरोधिक सती दिवस आयोजन करने का फैसला लिया



ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मराहम लग सके परंतु गहुल गांधी के इस गैर विभेदशाल बयान ने हमारे जुँगों को विर से हाय कर

दिया है। अफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सीटेंवाली कर लायीं लोगों को दूर-दूर की दौकरें खाने पर मजबूर किया। यह थों पाठी है जो तीन तलाक के फूँझले का पुर्णांग विरोध करती है। विर तो सिमी जैसी संस्था को भी

गहुल गांधी को सेक्युलर बोधित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस गांधी के जुँगों में पाकिस्तान के नारे लगाए जाते हैं, जिनके जुँगों में वाकिस्तान के जाडे को खुलौआं लहराया जाता है, ऐसी आंतराइजेशन को सेक्युलर ठहराया जा रहा है। यह अत्याकाशियों का खेल नहीं हो व्यक्ति है।

अन्यथा इस बात का है कि जब भी गहुल विदेश जाते हैं तो अचानक देश को मर्यादा को भूल जाते हैं। यह एक विरोधन है।

सभी को मालूम ही होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केन्द्र में गठबंधन है जिसके कारण गहुल केन्द्र से जीते थे और लातां हैं जो इस प्रकार की व्यापाराजी करके अपना कर्ज़ा उतार रहे हैं।

यू.पी.ए. की सरकार के दैरण एक वित लाने का प्रयास किया गया

था जिसके अनुचार आप दो दोगे तो हिंदू दोषी मान जाएंगा और मुस्लिम दोषी जी को। गहुल गांधी ने यू.एस. में प्रयाश लग में और लद्दाह में परोबर रूप में अपना नकारात्मक एजेंडा चलाया परंतु सफल नहीं हुए ना होगे। विजयना इस बात की है कि उनके अपनी विचारधारा बाले श्रीमान पिंडेंग जी कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह समान के हक्कदार हैं। यह दो बायें एक दूसरे के विपरीत नहीं है बर्ता?

कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

विजयना इस बात की भी है कि गहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको यो अपनी उपलब्ध मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के सिवा कुछ नहीं है।



## राहुल गांधी का बयान हास्यास्पद : बोधराज सीकरी

**गुरुग्राम/अरोड़ा :** इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को राहुल गांधी द्वारा सेक्युलर बताना एक हास्यास्पद बयान है। क्योंकि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने देश का धर्म



के आधार पर विभाजन कराया था। विभाजन के कारण हजारों बहने विधवा हुई, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लूटी गई, हजारों बुजुर्ग मारे गए, हजारों लोग बेघर हुए। उक्त बात पंजाबी बिरादरी महासंगठन के

अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कही। उन्होंने कहा कि यदि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है तो फिर कम्युनल कौन सी संस्था है। देश के विभाजन और पाकिस्तान का गठन होने की जिम्मेदारी यही संस्था है। उन्होंने कहा कि करीब 2 वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजन करने का निर्णय लिया ताकि विभाजन का दंश झेलने वालों के जख्मों पर मरहम लग सके। लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा गैर जिम्मेदाराना बयान देकर उनके जख्मों को फिर से हरा कर दिया है।

## कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ : बोधराज सीकरी



**सेक्युलर बनाम कम्यूनल  
की परिभाषा - बोध राज  
सीकरी**

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) राहुल गांधी का यह कहना कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है, एक हास्यास्पद बयान है क्योंकि अगर यह संस्था सेक्युलर है

तो विश्व में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिन्ना की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस बैटवारे के कारण हजारों बहने विघवा हुई, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लूटी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग मारे गए, हजारों लोग बैघर हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लग सके परंतु राहुल गांधी के इस गैर जिम्मेदाराना बयान ने हमारे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। अफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरजोर विरोध करती है। फिर तो सिमी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर घोषित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के झंडे को खुलेआम लहराया जाता है, ऐसी ॉर्गनाइजेशन को सेक्युलर ठहराया जा रहा है। यह अलगाववादियों का खेल नहीं तो क्या है।

अचम्भा इस बात का है कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं तो अचानक देश की मर्यादा को भूल जाते हैं। यह एक विडंबना है। सभी को मालूम ही होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केरल में गठबंधन है जिसके कारण राहुल केरल से जीते थे और लगता है वो इस प्रकार की बयानबाजी करके अपना क़र्जा उतार रहे हैं। यू.पी.ए. की

सरकार के दौरान एक बिल लाने का प्रयास किया गया था जिसके अनुसार अगर दंगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुस्लिम विकिटम माना जाएगा। अगर यह बिल लागू हो जाता तो दंगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकता है। सर्वाधिक लोगों को मालूम है कि इस माह भारत के प्रधान मंत्री स्टेट विजिट पर यू.एस.ए. जा रहे हैं। वहाँ की सरकार आँखे बिछा कर प्रतीक्षा कर रही है जो राहुल गांधी पचा नहीं पा रहे हैं। इस बार तो पी.एम. संयुक्त हाउस को भी सम्बोधित करेंगे। एक देश का प्रधान मंत्री मोदी जी के पाँव छूता है, दूसरे देश का प्रधान मंत्री उन्हें बॉस कहकर पुकारता है और यू.एस. प्रेसिडेंट उनका ऑटोग्राफ माँगता है।

इन हालात में राहुल गांधी मोदी जी के पहुँचने से पहले उनकी निंदा करना, सरकारी संस्थाओं के ख़लिफ बोलना, ताकि पूरे विश्व पर उसका असर पड़े परंतु दुर्भाग्य है राहुल गांधी का कि पूरा विश्व नमन करता है हमारे मोदी जी को। राहुल गांधी ने यू.एस. में प्रत्यक्ष रूप में और लंदन में प्रत्यक्ष रूप में अपना नकारात्मक एजेंडा चलाया परंतु सफल नहीं हुए ना होंगे। विडम्बना इस बात की है कि उनके अपनी विचारधारा वाले श्रीमान पित्रोदा जी कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह सम्मान के हक्कदार हैं। यह दो बातें एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या? कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

विडम्बना इस बात की भी है कि राहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको वो अपनी उपलब्धि मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के सिवा कुछ नहीं है। व्यक्ति की दुकान में जो होता है वो व्यक्ति वही सामान बेचता है। राहुल के पास मोदी विरोधी, भाजपा विरोधी, आर.एस.एस. विरोधी, हिंदुत्व विरोधी विचारधारा के सिवा कुछ नहीं है। इसलिये उनकी इस प्रकार की प्रवृत्ति बन गई है। जनता को मंथन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ। लेखक ने यह लेख विभाजन के दर्द से प्रेरित होकर निजी कपैसिटी में लिखा है क्योंकि हमारे बुजुर्गों ने विभाजन विभीषिका को सहा है। उन बुजुर्गों की आत्मा कभी भी अलगाववादियों की शक्तियों को माफ नहीं करेगी क्योंकि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है ॥



कर्तव्यी विषयक सामग्री और संस्कृतानुसार से प्रकाशित

# पार्यानियर

# कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए : बोधराज सीकरी

पायनियर समाचार सेवा | गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं पंजाबी विरादरी महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी ने राहुल गांधी के उस कथन को हास्यास्पद बताया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है। बोधराज सीकरी ने उनके कथन की निंदा करते हुए कहा कि जो संस्था जित्रा की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया। जिस बंटवारे के कारण हजारों बहनें विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लूटी गई। बुर्जुर्ग मारे गए। लोग बेघर हए।

अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन सी संस्था है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। सीकरी ने कहा कि दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस आयोजन करने का निर्णय लिया, ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लग सके। राहुल गांधी के



बोधराज सीकरी ।

इस गैर जिम्मेदाराना बयान से हमारे जखों को फिर से हरा कर दिया है। अफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरजोर विरोध करती है। फिर तो सिमी जैसी संस्था को भी राहुल गांधी को सेक्युलर घोषित करना चाहिए। बोधराज सीकरी ने कहा कि यूपीए की सरकार के दौरान एक बिल लाने का प्रयास किया गया था, जिसके अनुसार अगर दंगे होंगे तो हिंदू दोषी माना जाएगा और मुस्लिम विकिटम माना जाएगा। अगर यह बिल लागू हो जाता तो दंगे होने के कारण हिंदू को जेल जाना पड़ता। शुक्र है कि वो बिल नहीं आया। यही कांग्रेस की असली मानसिकता है।

## कांग्रेस को मंथन और चिंतन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ : बोधराज सीकरी

गुरुवार, 05 जून। गाहुल गांधी का यह कहना कि डंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सेक्युलर है, एक हाठयाटपद बयान है क्योंकि अगर यह संस्था सेक्युलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्यूनल नहीं है। जो संस्था जिन्ना की समर्थक है, जिस संस्था के कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया गया, जिस बँटवाटे के कारण हजारों बहने विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इज्जत लूटी गई, हजारों हमारे बुजुर्ग भाटे गए, हजारों लोग घेघट हुए, अगर वह संस्था सेक्युलर है तो कम्यूनल कौन री संस्था है।

हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है।



दो वर्ष पूर्व हमारे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभीषिका घटना दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के जख्मों पर मरहम लग उके परंतु गाहुल गांधी के इस गैंट जिम्मेदारी बयान ने हमारे जख्मों को फिर से हुरा कर दिया है। अफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सीदेबाजी कर लाखों लोगों को दर-दर की बोकटें खाने पर मजबूर किया। यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरजोर विरोध करती है। फिर तो सिर्फी जैसी संस्था को भी गाहुल गांधी को सेक्युलर धोषित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के नारे लगाए जाते हैं, जिनके जुलूस में पाकिस्तान के छांडे को खुलेआम लहराया जाता है, ऐसी ऑग्निहर्षण को सेक्युलर छहराया जा रहा है। यह अलगाववादियों का खेल नहीं तो क्या है।

अचम्भा इस बात का है कि जब भी गाहुल विदेश जाते हैं तो अचानक देश की मर्यादा को भूल जाते हैं। यह एक विंडबना है।

मझे को मालूम ही होगा कि इस संस्था का कांग्रेस के साथ केटल में गठबंधन है जिसके कारण गाहुल केटल से जीते थे और लगता है वो इस प्रकार की बयानबाजी करके अपना कर्ज़ा उतार रहे हैं।



## POLITICS

## Bodhraj Sikri - कांग्रेस को मंथन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष

VIRAL SACH ① June 5, 2023 ② No Comments ③ 1 ④ 4 minute read

**Viral Sach : Bodhraj Sikri – राहुल गांधी का यह कहना कि इंडियन प्रौद्योगिकी मुस्लिम लीग सेक्युलर है। एक हास्पास्पद बयान है वर्षोंके अगर यह संस्था सेक्युलर है तो विश्व में कोई भी संस्था कम्पूनल नहीं है।**

जो संस्था जिन्होंने कारण धर्म के आधार पर देश का विभाजन करवाया था, जिस बैठवारे के कारण हजारों बहने विधवा हुईं, हजारों बच्चे अनाथ हुए, हजारों महिलाओं की इजलत तुटी गई, हजारों हमारे बुजुर्गों मारे गए, हजारों लोग बेघर हुए, अगर वह संस्था ऐक्यपूत्र है तो कम्पूनल कौन सी संस्था है।

हिंदुस्तान के टुकड़े होने का और पाकिस्तान का गठन होने का यदि कोई उत्तरदायी है तो यह संस्था ही है। वो वर्ष पूर्व छमरे प्रधान मंत्री ने विभाजन विभाइका समृद्धि दिवस आयोजन करने का फैसला लिया ताकि हमारे बुजुर्गों के ज़ख्मों पर मरहम लग सके।

परंतु राहुल गांधी के इस गैर ज़िम्मेदाराना बयान ने हमारे ज़ख्मों को फिर से हरा कर दिया है। अफसोस इस बात का है कि इस संस्था ने कांग्रेस के साथ सौदेबाज़ी कर ताखों लोगों को दर-दर की ठोकरें खाने पर मजबूर किया।

यह वो पार्टी है जो तीन तलाक के फैसले का पुरज़ोर विरोध करती है। फिर वो सिमी ज़ेसी संस्था को भी राहुल गांधी की सेक्युलर घोषित करना चाहिए। यह लिखते हुए दर्द महसूस हो रहा है कि जिस पार्टी के जुलूस में पाकिस्तान के नारे लगाए जाते हैं, जिनके जुलूस में पाकिस्तान के झड़े को खुले आम लहराया जाता है, ऐसी और्जनाइज़ेशन को सेक्युलर लहराया जा रहा है। यह अलगाववादियों का खेल नहीं तो क्या है।

एक देश का प्रधान मंत्री मोदी जी के पौव छूता है, दूसरे देश का प्रधान मंत्री उन्हें बोस कहकर पुकारता है और यू.एस. प्रेसिडेंट उनका ऑटोग्राफ मौगला है। इन हालात में राहुल गांधी मोदी जी के पहुंचने से पहले उनकी निदा करना, सरकारी संस्थाओं के लिलाक़ बोलना, ताकि पूरे विश्व पर उसका असर पहुंच परंतु दुर्भाग्य है राहुल गांधी का कि पूरा विश्व नमन करता है हमारे मोदी जी को।

राहुल गांधी ने यू.एस. में प्रत्यक्ष रूप में और लंदन में परोक्ष रूप में अपना नकारात्मक एंडेंडा चलाया परंतु सफल नहीं हुए ना होंगे। विडम्बना इस बात ली है कि उनके अपनी विचारधारा वाले श्रीमान पिंडीदा जी कहते हैं कि देश के पी.एम. हर जगह सम्मान के हकदार हैं। यह दो बातें एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं क्या?

कांग्रेस को मंथन और वित्तन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या एक व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।

विडम्बना इस बात की भी है कि राहुल गांधी ने 2004 से 2023 तक 19 साल में कोई ऐसा काम नहीं किया जिसको वो अपनी उपतक्षि मानकर विदेश में प्रचार कर सके। उनके पास नकारात्मकता के सिवा कुछ नहीं है। व्यक्ति की दुकान में जो होता है वो व्यक्ति वही सामान बेचता है।

राहुल के पास मोदी विरोधी, भाजपा विरोधी, आर.एस.एस. विरोधी, हिंदुत्व विरोधी विचारधारा के सिवा कुछ नहीं है। इसलिये उनकी इस प्रकार वो प्रवृत्ति बन गई है।

जनता को मंथन करना चाहिए कि देश सर्वोपरि है या व्यक्ति विशेष का निजी स्वार्थ।